ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.

न्यूज़लेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 38 • अंक 3 जुलाई–सितम्बर 2018

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 30 अगस्त 2018 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), हैदराबाद में बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पेटेंटिंग के माध्यम से यूनानी चिकित्सा पद्धति के पारंपरिक ज्ञान और बौद्धिक संपदाओं की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया गया।

संगोष्ठी में उद्घाटन और रैप–अप सत्रों के अलावा नौ आमंत्रित व्याख्यान के लिए दो तकनीकी सत्र रखे गए। भारतीय संपदा कार्यालय (आई.पी.ओ.) और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एन.बी.ए.) के प्रख्यात विशेषज्ञों ने आई.पी.आर. और संबंधित मामलों के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श किया। संगोष्ठी में 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिनमें चिकित्सा वैज्ञानिक, यूनानी चिकित्सा के शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता और स्नातकोत्तर छात्र शामिल थे। इस अवसर पर यूनानी चिकित्सा में सहयोगात्मक औषधीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए के.यू.चि.अ.प. और राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एन.आई.पी.ई.आर.), हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के स्नातकोत्तर छात्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

उद्घाटन सत्र

अपने उद्घाटन भाषण में श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने वैज्ञानिक संस्थानों के लिए आई.पी.आर. के महत्व पर प्रकाश डाला और पेटेंट प्राप्त करने

प्रो. मुनव्वर हुसैन काज़मी, डॉ. के एस करदम, प्रो. आसिम अली ख़ान, श्री प्रमोद कुमार पाठक, डॉ. शशि बाला सिंह और डॉ. एम.ए. वहीद 30 अगस्त 2018 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के दौरान।

हेतु के.यू.चि.अ.प. के प्रयासों की सराहना की। उन्होनें परिषद् से पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा से जुड़े मामलों पर वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने का आग्रह किया।

अपने स्वागत सम्बोधन में प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने बताया कि आई.पी.ओ. द्वारा के.यू.चि.अ.प. को 15 पेटेंट प्रदान किये गए हैं और बौद्धिक संपदा संबंधी गतिविधियों को और अधिक मज़बूत करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं।

डॉ. शशि बाला सिंह, निदेशक, एन.आई.पी.ई.आर. ने ज़ोर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में काफी क्षमताऐं हैं और यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग की सार्थकता पर अपनी इच्छा व्यक्त की।

डॉ. के.एस. करदम, वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, पेटेंट एवं डिज़ाइन, आई.पी.ओ., नई दिल्ली ने परिषद् से आविष्कारकों के लिए आ.ई.पी. रणनीति विकसित करने और वैश्विक स्तर पर पेटेंट प्राप्त करने के प्रयास करने का आग्रह किया।

उद्घाटन सत्र का समापन प्रो. मुनव्वर हुसैन काज़मी, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद के धन्यवाद प्रस्तावना के साथ हुआ।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. शशि बाला सिंह, निदेशक, एन.आई.पी.ई.आर., हैदराबाद 30 अगस्त 2018 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के दौरान यूनानी चिकित्सा में औषधीय अनुसंधान और विकास में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए।

तकनीकी सत्र–I

पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पदमश्री डॉ. एम.ए. वहीद, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, के.यू.चि.अ.प. द्वारा की गई। सत्र का आरंभ 'आई.पी.आर. प्रबंधन और व्यावसायीकरण के अवलोकन' पर डॉ. के.एस. करदम द्वारा एक आमंत्रित वार्ता के साथ हुआ। उन्होनें बौद्धिक संपदा अधिकारों और संबंधित विषयों पर अपने गहन ज्ञान से दर्शकों को प्रबुद्ध किया।

अगला व्याख्यान श्री के. चित्रासु, सलाहकार (कानून), एन.बी.ए., चेन्नई ने 'जैविक विधिता अधिनियम, 2002 में आई.पी.आर. हेतु आवेदन करने से संबंधित प्रावधान एवं इसके अधीन नियम' पर दिया। तीसरा आमंत्रित व्याख्यान श्री सी.एम. गैंड, पूर्व प्रमुख (आई.पी.आर.), राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एन.आर.डी.सी.) द्वारा 'आई.पी. लाईसेंसिगः मिथ्स एण्ड लेसन्स' पर दिया गया। उन्होनें उत्पादन और विपणन में आविष्कार लाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। अंतिम व्याख्यान श्री वी.के. जैन, वरिष्ठ प्रबंधक, एन.आर.

श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार 30 अगस्त 2018 को बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के परिसर में पौधा रोपण करते हुए।

डी.सी., ने 'भारत में पेटेंटिंग सिस्टम' पर दिया।

तकनीकी सत्र–।।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. मुश्ताक़ अहमद, पूर्व निदेशक, के.यू.चि.अ.सं., हैदराबाद ने की। सत्र का आरंभ श्री एस.के. पंगासा, पूर्व सहायक नियंत्रक, पेटेंट एवं डिज़ाइन, आई.पी.ओ., नई दिल्ली द्वारा 'पेटेंट संरक्षण के लिए आविष्कार का प्रकटीकरण' पर आंमत्रित वार्ता के साथ हुआ। उन्होनें पेटेंटिंग के लाभ और हानि, पेटेंट आवेदन दर्ज करने के लिए आवश्यक दस्तावेज, अस्थायी विनिर्देश के लाभ इत्यादि के बारे में बताया।

अगला व्याख्यान डॉ. नरेन्द्रन थिरुथी, तकनीकी अधिकारी, एन.बी.ए. ने 'बायोडाइवर्सिटी लॉ–एन इंटरफेस विद पेटेंट प्रोसीजर' पर व्याख्यान दिया। उन्होनें कहा कि देश के पारंपरिक चिकित्सीय ज्ञान के दुरुपयोग को रोकने के लिए टी.के.डी.एल. और पीपुल्स जैव विविधता रजिस्टर (पी.बी.आर.) के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेज तैयार करना भारत की एक अग्रणी पहल है।

तीसरी आमंत्रित वार्ता में, श्री के. चित्रासु, सलाहकार (कानून), एन.बी.ए., चेन्नई ने 'पेटेंट के संदर्भ में एन.बी.ए. संबंधित विषय' पर व्याख्यान दिया। उन्हानें कहा कि एन.बी.ए. देश में बी.डी. अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए अनिवार्य है।

चौथी आमंत्रित वार्ता में श्री सी.एम. गैंड ने 'भारत में कॉपीराइट पंजीकरण' पर व्याख्यान दिया जबकि अंतिम व्याख्यान श्री एस.के. पंगासा ने 'थर्ड पार्टी रिप्रेसेन्टेशन एण्ड पोस्ट–ग्रान्ट अपोज़ीशन इन द न्यू पर्सपेक्टिव' पर दिया।

समापन सत्र

समापन सत्र के साथ संगोष्ठी का समापन सह–अध्यक्षों डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV और डॉ. पवन कुमार यादव, अनुसंधान अधिकारी (पैथलॉजी) वैज्ञानिक–IV के सम्बोधन के साथ हुआ। प्रो. मुश्ताक़ अहमद ने के.यू.चि.अ.प. को संगोष्ठी के लिए समकालीन विषय चुनने के लिए बधाई दी। •••

क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई में हिन्दी कार्यशाला

परिषद के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई ने 29 अगस्त 2018 को सर जे.जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों में राजभाषा के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा उनमें भाषा कौशलता को बढ़ाना था।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. आकाश खोबरेगडे, औषध विज्ञान विभाग, सर जे.जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल ने श्री विनोद कुमार शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण योजना, मुम्बई, डॉ. हसीब आलम, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी और क्षे.यू.चि.अ.सं, मुम्बई के अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

अपने सम्बोधन में श्री विनोद कुमार शर्मा ने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए दिन–प्रतिदिन काम करने में सरल और आसानी से समझने वाली भाषा को प्राथमिकता देने के लिए ज़ोर दिया।

डॉ. आकाश खोबरेगडे ने रोगियों से बात करते हुए उचित और तकनीकी शब्दावली मुक्त भाषा का चयन करने के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि गलत संचार के कारण रोगियों के स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

इससे पहले अपनी स्वागत टिप्पणी में डॉ. हसीब आलम ने कार्यशाला के उद्देश्य को उजागर किया। कार्यशाला का समापन डॉ. इरफान अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), क्षे.यू.चि.अ.सं., मुम्बई के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। •••

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई में 29 अगस्त 2018 को अयोजित हिन्दी कार्यशाला का एक दृश्य।

श्री प्रमोद कुमार पाठक की अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नति

श्री प्रमोद कुमार पाठक, आई.एफ.एस. (केरल–1986) 01 जुलाई 2018 से आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत हुए। इससे पूर्व वह 18 मई 2017 से इसी मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में सेवा कर रहे थे।

श्री प्रमोद कुमार पाठक
अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय

श्री पाठक अन्य जिम्मेदारियों के साथ–साथ मंत्रालय स्तर पर केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के मामलों की अगुवाई करते हैं। परिषद् उनके मार्गदर्शन में बहुत प्रगति कर रही है।

श्री पाठक को अनेक विभागों में विभिन्न प्रशासनिक सामर्थ्य में जैसे प्रबंध निदेशक, केरल सहकारी दूध विपणन संघ; गृह मंत्रालय, भारत सरकार; तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ दूरदर्शन में उप–महानिदेशक (प्रशासन) तथा प्रसार भारती (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन) में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। •••

आई.एस.एच.यू. स्वास्थ्य मेला में भागीदारी

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 26 जुलाई 2018 को इन्स्टीट्यूट फॉर सोशल हार्मनी एण्ड अपलिफ्टमेंट द्वारा आयोजित लखनऊ एक्सपो मार्ट, लखनऊ में आई. एस.एच.यू. स्वास्थ्य मेले में भाग लिया।

डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 26 जुलाई 2018 को लखनऊ में आई.एस.एच.यू. स्वास्थ्य मेला के अवसर पर संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. धरम सिंह सैनी, माननीय आयुष मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने किया। मंत्री ने परिषद् के शिविर का दौरा किया और उनको के.यू.चि.अ.सं. द्वारा प्रकाशित यूनानी चिकित्सा के कुछ साहित्य प्रस्तुत किए गए।

पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश डॉ. अनीस अन्सारी और आयुष सचिव, उत्तर प्रदेश श्री मुकेश कुमार मेशराम ने भी मेले का दौरा किया।

डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने आयुष सचिव से बसहा में जहां के. यू.चि.अ.सं. स्थित है यूनानी फार्मेसी की स्थापना तथा यूनानी चिकित्सा में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए भुमि अधिग्रहण में सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। •••

डब्ल्यु.एच.ओ. की टीम द्वारा के.यू.चि.अ.प. के संस्थान का दौरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यु.एच.ओ.) की एक टीम ने 29 सितम्बर 2018 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में स्थापित परिषद् के हकीम अजमल खाँ इंस्टीट्यूट फॉर लिट्रेरी एंड हिस्टॉरिकल रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन (एच.ए.के.आई.एल.एच.आर.यू.एम.) का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य डाटा रिपोर्टिंग तंत्र पर चर्चा करना और संस्थान में नमस्ते – पोर्टल सेल के कामकाज की जांच करना था।

आयुष मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ डब्ल्यु.एच.ओ. टीम का स्वागत प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और परिषद् मुख्यालय एवं एच.ए.के.आई.एल.एच.आर.यू.एम. के अधिकारियों ने किया। प्रो. आसिम अली ने उन्हें परिषद् की गतिविधियों, 'मानक यूनानी चिकित्सा शब्दावली' और राष्ट्रीय यूनानी रूगणता कोड' के विकास की प्रक्रिया और नमस्ते – पोर्टल सेल के कामकाज से अवगत कराया। टीम ने एच.ए.के.आई.एल.एच.आर.यू.एम. की ओ.पी.डी. का दौरा किया और ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों से बातचीत के माध्यम से कामकाज का मूल्यांकन किया। उन्होनें नमस्ते – पोर्टल सेल का दौरा किया जिसमें उन्हें नमस्ते – पोर्टल पर रूग्णता डाटा का संकलन एवं अपलोड करने का जीवंत प्रदर्शन दिखाया गया।

पहले चित्र में 29 सितम्बर 2018 को प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., हकीम अजमल खाँ इंस्टीट्यूट फॉर लिट्रेरी एंड हिस्टॉरिकल रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन में अपने अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ. की टीम के साथ जबकि दूसरे चित्र में संस्थान की डॉ. रख्शंदा तैय्यब डब्ल्यू.एच.ओ. टीम के एक सदस्य का परीक्षण करती हुई।

इसके पहले दिन टीम ने वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय की अध्यक्षता में एवं श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय की उपस्थिति में आयुष मंत्रालय में आयुष के हितधारकों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य रोगों को अंतरराष्ट्रीय वर्गीगरण (आई.सी.डी.–11) में आयुर्वेद, सिद्ध एंव यूनानी चिकित्सा पद्धति में शामिल करने की विधियों और प्रक्रियाओं पर चर्चा करना था। आई.सी.डी. दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रवृत्तियों और आंकड़ों की पहचान करने की नींव है और एक आम भाषा प्रदान करता है जो स्वास्थ्य चिकित्सकों को दुनिया भर में स्वास्थ्य जानकारी साझा करने की सुविधा देता है।

डब्ल्यु.एच.ओ. टीम में डॉ. रॉबर्ट जैकोब, टीम लीड, डाटा स्टैन्डर्ड्स एण्ड इन्फोर्मेटिक्स, श्री नेनाद फ्रेडरिक इवान कोस्टंजसेक, तकनीकी अधिकारी, हेल्थ डाटा स्टैन्डर्ड्स एण्ड इन्फोर्मेटिक्स, डॉ. किम सुंग चोल, क्षेत्रीय सलाहकार, एसेंशियल ड्रग्स एवं अदर मेडिसिन्स और डॉ. गीथा कृष्णन, तकनीकी अधिकारी, टी.सी. आई. – यूनिट, डब्ल्यू.एच.ओ. शामिल थे। ●●●

के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

परिषद् के केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 06 जुलाई 2018 को अपने परिसर में दिन–प्रतिदिन के व्यक्तिगत और आधिकारिक कार्यों में राजभाषा का उपयोग करने के लिए और अधिकारियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया।

श्री अविनाश त्रिवेदी, विधायक, उत्तर प्रदेश 6 जुलाई 2018 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में हिन्दी कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अविनाश त्रिवेदी, विधायक, बी.के.टी. निवार्चन क्षेत्र, लखनऊ जिन्होनें मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला की शोभा बढ़ाई, ने अनुसंधान और स्वास्थ्य देखभाल वितरण के क्षेत्र में के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ की सेवाओं और ईमानदान प्रयासों की सराहना की। उन्होने घोषणा की कि मुख्य सड़क के साथ संस्थान को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा क्योंकि निविदा की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। श्रीमति कुसुम शुक्ला, स्थानीय प्रधान भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

कार्यशाला में दो सत्र थे जो डॉ. जे.एस. राय, उप–प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, लखनऊ छावनी और डॉ. महेन्द्र पांडुरंग दरोकर, सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड अरोमैटिक प्लांट्स, लखनऊ द्वारा सम्बोधित किये गए। उन्होनें ज़ोर दिया कि हिन्दी उपयोग में एक आसान भाषा है बशर्ते हम इसके प्रति प्रतिबद्ध रहें। उन्होने कठिन शब्दों की जगह आसानी से समझने वाली शब्दावली का उपयोग करने पर बल दिया।

इससे पूर्व अपनी स्वागत टिप्पणी में डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का समापन डॉ. मो. नफ़ीस खान, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। डॉ. ज़ेड.एच. सिद्दीक़ी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं प्रभारी, राजभाषा अनुभाग, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने कार्यशाला का संचालन किया।

कार्यशाला के समापन के बाद श्री अविनाश त्रिवेदी ने संस्थान के आई.पी.डी. का निरीक्षण किया और रोगियों को फल वितरित किये। ●●●

लखनऊ में चिकित्सीय शिविर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने 04 सितम्बर 2018 को सुन्नी इण्टर कॉलेज, विक्टोरिया गंज, लखनऊ में आसपास के लोगों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए एक चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया।

शिविर का उद्घाटन मौलाना ख़ालिद रशीद फिरंगी महली और डॉ. एम.ए.ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने प्रबंधक और प्रधानाचार्य के साथ–साथ कॉलेज के स्टाफ की उपस्थिति में किया। संस्थान के डॉ. महबूब–उस–सलाम और डॉ. नजमुस सेहर ने 200 से अधिक रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया और उपचार किया और पुनः जांच के लिए के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ आने की सलाह दी। ●●●

नमस्ते – पोर्टल का प्रशिक्षण

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सी.सी.आर.ए.एस.) ने 10–11 सितम्बर 2018 के दौरान नई दिल्ली में नेशनल आयुष मॉर्बिडिटी एण्ड स्टेन्डर्डाइज़्ड टर्मिनोलोजीज़ इलेक्ट्रोनिक पोर्टल (नमस्ते – पोर्टल) पर जानकारी के दस्तावेजीकरण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने के लिए के.यू.चि.अ.प. सहित अन्य संस्थानों के 74 नामित आयुष चिकित्सकों को प्रशिक्षित करना था।

प्रो. आसिम अली ख़ान, डॉ. डी.सी. कटोच, वैद्य राजेश कोटेचा, प्रो. वैद्य के.एस. धीमान एवं अन्य 10 सितम्बर 2018 को नई दिल्ली में नमस्ते – पोर्टल पर सूचना के दस्तावेज़ीकरण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान एक पुस्तक का विमोचन करते हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने निरंतर तरीके से देश में स्थापित सभी स्वास्थ्य देखभाल में रुगणता सांख्यिकी के दस्तावेज़ीकरण को आगे बढ़ाने के लिए ज़ोर दिया। उन्होनें प्रशिक्षार्थिओं से विभिन्न राज्यों में हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिए उपाय करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने मानकीकृत यूनानी शब्दावली और नमस्ते पोर्टल में इनके उपयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होनें भव्य सभा को बताया कि प्रासंगिक पत्रिकाओं के संपादकों से अनुरोध किया गया है कि वे लेखकों के लिए मानक यूनानी चिकित्सा शब्दावली और रोगों की कोडिंग का उपयोग अनिवार्य कर दें।

प्रशिक्षण विभिन्न सामान्य और प्रणाली विशिष्ट सत्रों में विभाजित था। सामान्य प्रशिक्षण सत्रों में प्रशिक्षार्थिओं को लक्ष्यों और उद्देश्यों तथा पोर्टल की सामान्य तकनीकी जानकारी से संवेदनशील बनाया गया। जबकि आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी प्रणाली के लिए विशिष्ट डेटा दस्तावेज़ीकरण के तरीकों का समांतर सत्रों में हस्त प्रशिक्षण दिया गया। यूनानी चिकित्सा के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण सत्र डॉ. गज़ाला जावेद, डॉ. बिलाल अहमद और डॉ. नीलम कुद्दुसी द्वारा संचालित किया गया। केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद से डॉ. जावेद इनाम सिद्दीक़ी, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर से डॉ. मो. अफ़सहुल कलाम, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ से डॉ. मो. तारिक़ और हकीम अजमल ख़ान साहित्य एवं ऐतिहासिक यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, दिल्ली से डॉ. अहमद सईद ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में यूनानी अनुभवियों के रूप में भाग लिया।

नमस्ते – पोर्टल आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है जो अक्तूबर 2017 में आयुष प्रणाली द्वारा भारतवर्ष में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की मात्रा रिकॉर्डिंग और प्रगतिशील तरीके से सभी सार्वजनिक/निजी/शैक्षणिक संस्थानों में प्रभावी रूप से इलेक्ट्रोनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से लांच की गई। ●●●

10 सितम्बर 2018 को नई दिल्ली में नमस्ते – पोर्टल पर सूचना के दस्तावेज़ीकरण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भगीदारियों का ग्रुप फोटो।

के.यू.चि.अ.प. में पोषण माह का अयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने देश भर में स्थित अपने संस्थानों/केन्द्रों में 'सही पोषण, देश रोशन' के पोषण संदेश को हर घर में पहुंचाने के लिए सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण माह (नेशनल न्यूट्रीशन मंथ) मनाया।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के अनुसंधानकर्ता राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान स्कूली बच्चों को 'सही पोषण, देश रोशन' का संदेश देते हुए।

डॉ. अर्जुमन्द शाह, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर स्कूली बच्चों को पोषण और स्वच्छता के बारे में शिक्षित करते हुए।

पोषण माह का आयोजन प्रत्येक घर तक प्रसवपूर्व देखभाल, अधिकतम स्तनपान, पूरक भोजन, संवृद्धि निगरानी, स्वच्छता इत्यादि के बारे में जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पोषण अभियान (नेशनल न्यूट्रीशन मिशन) के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग द्वारा शुरु की गई राष्ट्रव्यापी पहल के अनुरूप किया गया। ये पहल प्रोद्योगिकी का लाभ उठाकर सभी प्रयासों को एकजुट करने का प्रयास करती है और जन आंदोलन या पीपुल्स मूवमेंट के स्तर पर पोषण जागरूकता पैदा करने का इरादा रखती है।

के.यू.चि.अ.प. ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जो प्रसवपूर्व देखभाल, अधिकतम स्तनपान (प्रारंभिक और अनन्य), पूरक भोजन, एनीमिया, वृद्धि निगरानी, लड़कियों की शिक्षा, आहार, शादी की सही उम्र, स्वच्छता, भोजन फोरटिफीकेशन के बारे में जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित थे। गतिविधियों में स्वास्थ्य शिविरों का संगठन, कुपोषण के उपचार पर सार्वजनिक व्याख्यान और वार्ता, संबंधित स्वास्थ्य समस्या और विभिन्न अभाव रोग, विभिन्न आयु वर्गों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व और घटक, स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली में उचित परिवर्तन, बच्चों की देखभाल इत्यादि शामिल थे। इसके अलावा पोषण और संबंधित विषयों पर आधारित पोस्टरों एवं बैनरों का प्रदर्शन, प्रदर्शनी और साहित्य का मुफ़्त वितरण तथा पोषण पर यूनानी चिकित्सा पद्धति की महत्वता को बताया गया। बच्चों और महिलाओं को स्वास्थ्य टॉनिक, स्वस्थ खाद्य पैक और आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन पूरक भी वितरित किये गए।●●●

आयुष प्राकृतिक विश्व एक्सपो - 2018

के.यू.चि.अ.प. ने अपने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई के माध्यम से 2–4 अगस्त 2018 के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ए.सी. स्टेडियम, पणजी, गोवा में आयोजित आयुष प्राकृतिक विश्व एक्सपो – 2018 में भाग लिया।

श्री श्रीपाद येस्सो नाईक, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय डॉ. हसीब आलम, प्रभारी, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई को गोवा में आयोजित आयुष प्राकृतिक विश्व एक्सपो में भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हुए।

समापन कार्यक्रम के दौरान माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय श्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया और उत्कृष्ट प्रदर्शनी के लिए के.यू.चि.अ.प. टीम की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान क्षे.यू.चि.अ. सं., मुम्बई ने परिषद् की अनुसंधान गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रकाशनों का प्रदर्शन किया। संस्थान ने यूनानी चिकित्सा पद्धति के विभिन्न सिद्धांतो पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न पोस्टरों और चार्टों को भी प्रदर्शित किया। स्वस्थ जीवन और स्वास्थ्य के प्रचार में यूनानी चिकित्सा की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के दृष्टिकोण से यूनानी चिकित्सा पर साहित्य और कुछ जटिल और सामान्य रोगों के उपचार पर सफलता की कहानियां आगंतुकों को वितरित की गईं। ●●●

के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ में डीवॉर्मिंग सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने भारत सरकार द्वारा नेशनल डीवॉर्मिंग डे को मनाने की पहल से प्रेरित होकर 10–17 अगस्त 2018 को डीवॉर्मिंग (कृमिहरण) सप्ताह का आयोजन किया।

डॉ. एम.ए. ख़ान, उप निदेशक प्रभारी, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 10 अगस्त 2018 को कृमिरोग के आविर्भाव पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने लोगों विशेषकर बच्चों में कृमिरोग होने के कारणों पर व्याख्यान दिया और रोगियों को कृमिरोग और मानव शरीर पर उसके प्रभाव के कारण होने वाले रोगों के बारे में सूचित किया। उन्होनें स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी और कृमिरोग से बचने के लिए साफ़ पानी का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होनें सभा को वार्म सहित सभी रोगों के उपचार के लिए यूनानी चिकित्सा को अपनाने के लिए प्रेरित किया क्योंकि पद्धति में कई यौगिक एकल और मिश्रित औषधियां हैं जो पीड़ित लोगों को बिना किसी दुष्प्रभाव के आजीवन आराम दिलाने में सक्षम हैं। सप्ताह के दौरान संस्थान ने ओ.पी.डी. में डीवॉर्मिंग के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया और रोगियों को परामर्श दिया और उपचार प्रदान किया। ●●●

के.यू.चि.अ.प. में हिन्दी पखवाड़े का अयोजन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने सितम्बर 2018 में अपने मुख्यालय और संस्थानों में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया। पखवाड़ा 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के उपलक्ष में मनाया गया और कर्मचारियों को हिन्दी भाषा का उपयोग करने के उपायों और प्रोत्साहन के लिए प्रेरित किया गया।

श्री सऊद अख्तर, रजिस्ट्रार, जामिया हमदर्द 5 अक्तूबर 2018 को के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए।

परिषद् मुख्यालय में पखवाड़े का उद्घाटन 13 सितम्बर 2018 को किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने आधिकारिक और व्यक्तिगत कार्यों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया ओर सभी को हिन्दी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में उत्साह से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होनें आग्रह किया कि हिन्दी के प्रचार के प्रयासों को पखवाड़े के समापन के साथ खत्म नहीं करना चाहिए बल्कि पूरे वर्ष इसे जारी रखना चाहिए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री रामानन्द मीणा, उप–सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि आदेश देने की बजाय हमें हिन्दी का उपयोग करने में गर्व होना चाहिए जो हमारी मातृभाषा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री के. सी. भट्ट, सहायक निदेशक (राजभाषा), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि हमें हिन्दी भाषा के लिए अधिनियमों के नियमों और प्रावधानों का पालन करने और दिन–प्रतिदिन काम करने के लिए इसका उपयोग करने की आवश्यकता है।

के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में 13 सितम्बर 2018 को आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह के दौरान श्रोताओं का एक दृश्य।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में 25 सितम्बर 2018 को आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह का एक दृश्य

हकीम अजमल ख़ां साहित्यिक एवं ऐतिहासिक यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के कर्मचारी संस्थान में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा की एक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए।

डॉ. जमाल अख़्तर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं प्रभार, हिन्दी अनुभाग, के.यू.चि.अ.प., ने वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री आर.यू. चौधरी, सहायक निदेशक (प्रशासन) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पखवाड़े का समापन 25 सितम्बर 2018 को हुआ परन्तु पुरस्कार वितरण समारोह 5 अक्तूबर 2018 को मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सैय्यद सऊद अख़्तर, रजिस्ट्रार, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने ज़ोर दिया कि हिन्दी भाषा के अधिक प्रचार के लिए प्रत्येक स्तर पर कठोर प्रयासों की आवश्यकता है। प्रो. आसिम अली ख़ान ने पखवाड़े के सफल आयोजन में शामिल अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यालय परिषद् में हिन्दी में किए गए कार्यों की अनुभागानुसार समीक्षा की गई तथा अधिक कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में हिन्दी श्रुतलेख, हिन्दी अनुवाद, हिन्दी टिप्पण लेखन, हिन्दी वाद–विवाद, हिन्दी स्वंयरचित कविता पाठ, हिन्दी शब्द–ज्ञान और हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

देश में स्थित परिषद् के विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया और मुख्यालय की ही तरह विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विज़न महाराष्ट्र में भागीदारी

के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), मुम्बई ने 3–5 अगस्त 2018 के दौरान पूणे में आयोजित विज़न महाराष्ट्र में भाग लिया।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई के अनुसंधानकर्ता 3–5 अगस्त 2018 के दौरान पुणे में आयोजित 'विज़न महाराष्ट्र' में स्कूली बच्चों को स्वस्थ रहने के बारे में शिक्षित करते हुए।

कार्यक्रम में के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल ने अपनी अनुसंधान गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रकाशनों को प्रदर्शित किया। यूनानी चिकित्सा और विभिन्न रोगों के निवारण और उपचार पर विभिन्न भाषाओं में साहित्य आगुंतकों को निःशुल्क बांटा गया। आगुंतक यूनानी चिकित्सा के बारे में जानकारी के लिए उत्सुक थे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संस्थान के अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया जिसका एक दृश्य। ●●●

'आहार' में परिषद् की भागीदारी

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), चेन्नई ने 23–25 अगस्त 2018 को चेन्नई ट्रेड एण्ड कन्वेशन सेंटर, चेन्नई में इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइज़ेशन द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं सत्कार मेला 'आहार' में भाग लिया।

23–25 अगस्त 2018 के दौरान चेन्नई में आयोजित 'आहार' में के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल पर आगंतुकों का एक दृश्य।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के एक संस्थान क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई ने प्रदर्शन सामग्री, ब्रोशर का मुफ़्त वितरण, यूनानी चिकित्सा पद्धति में उपयोग किये जाने वाले जीवित औषधीय पादप और कच्चे औषधि नमूने के माध्यम से अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। के.यू.चि.अ.प. स्टॉल क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई के डॉ. मुर्गेश्वरन, डॉ. कबीरूद्दीन अहमद, डॉ. टी. शाहिदा बेगम, डॉ. हाफ़िज़ सी. मो. असलम और सहायक स्टॉफ द्वारा संभाला गया। •••

के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने आत्महत्या निरोध दिवस मनाया

परिषद् के केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (के.यू.चि.अ.सं.), लखनऊ ने अपने परिसर में 10 सितम्बर 2018 को आत्महत्या रोकने के उपयों हेतु जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व आत्महत्या निरोध दिवस मनाया।

डॉ. एम.ए. ख़ान 10 सितम्बर 2018 को केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर आत्महत्या के मामलों को रोकने के उपायों पर व्याख्यान देते हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. एम.ए. ख़ान, उप–निदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.सं., लखनऊ ने आत्महत्या को मानव के सबसे डरावने कृत्य के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होनें विस्तार से बताया कि प्रेम या परीक्षा में विफलता, वैवाहिक जीवन में परेशानी, कार्यस्थलों पर तनाव, व्यापार में नुकसान, जटिल रोगों से पीड़ित या अत्यधिक शराब के सेवन सहित कई कारणों से आत्महत्या की जाती है, लेकिन इनमें से कोई भी कारण अपरिहार्य नहीं है। उन्होनें समाज के धार्मिक समूहों, गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक–राजनैतिक संगठनों को आत्महत्या के खतरे को रोकने के लिए एक साथ आने की अपील की जो हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति को मारती है जिससे दुनिया भर के लाखों परिवार अस्त–व्यस्त हैं। उन्होनें लोगों से अपने क्षेत्रों में संदेश फैलाने और निराश लोगों को उनकी व्यक्तिगत परेशानियों से बाहर निकलने और एक सामान्य जीवन जीने में मदद करने के लिए कहा। •••

'शायनिंग महाराष्ट्र' में के.यू.चि.अ.प. की भागीदारी

के.यू.चि.अ.प. ने क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं..), मुम्बई के माध्यम से 26–28 सितम्बर 2018 के दौरान सोलापुर, महाराष्ट्र में सान्सा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सरकारी योजनाओं और नीतियों को सशक्त बनाने, शिक्षित करने और बढ़ावा देने' पर आधारित एक प्रदर्शनी 'शायनिंग महाराष्ट्र' में भाग लिया।

आयुष पैवेलियन में अपने स्टॉल पर परिषद् ने प्रकाशन और पोस्टर प्रदर्शित किए और यूनानी चिकित्सा में अपने शोध प्रयासों का प्रचार किया। स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आंगतुकों के बीच साहित्य भी निःशुल्क वितरित किये गए। विभिन्न स्थानों के साथ–साथ स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या में आगंतुकों और गणमान्य व्यक्तियों ने स्टॉल का दौरा किया। डॉ. बिलाल अहमद और श्री अब्दुल रहीम ने परिषद् के स्टॉल को संभाला। •••

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुम्बई के एक अधिकारी 26–28 सितम्बर 2018 के दौरान सोलापुर, महाराष्ट्र में आयोजित 'शाइनिंग महाराष्ट्र' में के.यू.चि.अ.प. के पैवेलियन में गणमान्य व्यक्तियों से बातचीत करते हुए।

बांग्लादेशी अकदमीशियन का क्षे.यू.चि.अ.सं., कोलकाता में दौरा

हकीम मो. रूहुल अमीन, लेक्चरर, तिब्बिया हबीबा यूनानी कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, ढाका, बांग्लादेश ने 30 अगस्त 2018 को के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), कोलकाता का दौरा किया।

डॉ. के.एल. बंदोपाध्याय, सहायक निदेशक प्रभारी और डॉ. यूनिस इफ़्तेख़ार मुंशी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक– IV, क्षे.यू.चि.अ.सं., कोलकाता ने अतिथि को संस्थान में जारी अनुसंधान और विकास गतिविधियों तथा के.यू.चि.अ.प. में अनुसंधान के प्राथमिक क्षेत्रों से अवगत कराया। अतिथि ने परिषद् में अनुसंधान पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भारत में यूनानी चिकित्सा की स्थिति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में रूचि दिखाई। डॉ. बंदोपाध्याय ने उनको के.यू.चि.अ.प. के कुछ चयनित प्रकाशन भेंट किये। •••

डॉ. के.एल. बंद्योपाध्याय और डॉ. यूनिस इफ्तिख़ार मुंशी 30 अगस्त 2018 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, कोलकाता में बांग्लादेशी अकदमीशियन को के.यू.चि.अ.प. का प्रकाशन प्रस्तुत करते हुए।

महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. का क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर का दौरा

पंजीकरण सं. 34691/80

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने संस्थान में गतिविधियों का जायज़ा लेने और अनुसंधान प्रगति की समीक्षा करने के लिए 26 जुलाई 2018 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर का दौरा किया।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. 26 जुलाई 2018 को क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर की प्रयोगशाला का दौरा करते हुए।

के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक का पद संभालने के बाद अपनी पहली यात्रा के दौरान सफाई और समग्र माहौल की जांच के लिए संस्थान की सभी इकाईयों का भ्रमण किया।

उन्होंने अनुसंधान गतिविधियों की प्रगति और संस्थान की समग्र कार्यप्रणाली का ध्यान रखने के लिए संस्थान अधिकारियों के साथ बैठकें की। डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर ने संस्थान के इतिहास और विकास के विभिन्न चरणों पर संरचना और गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर एक पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी। उन्होंनें बताया कि संस्थान ने दमा, संधिवात (गठिया) और विटिलिगो के सफल उपचार के लिए राज्य में प्रसिद्धि प्राप्त की है। महानिदेशक ने यूनानी चिकित्सा में एम.डी. कार्यक्रम की समीक्षा की जो कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के साथ संबद्धता में संस्थान में हाल ही में आरंभ किया गया। उन्होंनें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान में विकसित अत्याधुनिक प्रयोगशाला की सराहना की।

●●●

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं। सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

मुख्य संपादक
आसिम अली ख़ान

कार्यकारी संपादक
मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
जमाल अख़्तर
टी मैथीलगन
शबनम सिद्दीक़ी

संपादकीय कार्यालय
केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाषः +91–11–28521981, 28525982
फैक्सः +91–11–28522965
ई–मेलः unanimedicine@gmail.com
वेबसाइटः http://ccrum.res.in

मुद्रणः इण्डिया ऑफसैट प्रैस, ए–1, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, मायापुरी, नई दिल्ली–110 064

ISSN 0974 1666

CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 38 • Number 3 July–September 2018

National Seminar on Intellectual Property Rights

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized a one-day *'National Seminar on Intellectual Property Rights (IPRs)'* at the Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Hyderabad on August 30, 2018. The seminar urged the need to protect the traditional knowledge and intellectual properties of Unani System of Medicine through national/ international patenting.

The seminar had two technical sessions for nine invited talks, besides inaugural and wrap-up sessions. Eminent experts from the Indian Patent Office (IPO) and the National Biodiversity Authority (NBA) deliberated various aspects of IPRs and related issues. The seminar attracted over 200 delegates comprising medical scientists, academicians, researchers and postgraduate students of Unani Medicine. The occasion also witnessed signing of Memorandum of Understanding between the CCRUM and the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Hyderabad to promote collaborative pharmaceutical research and development in Unani Medicine. Appreciation awards to postgraduate students of CRIUM, Hyderabad were also distributed on the occasion.

Inaugural Session

In his inaugural speech, Shri Pramod Kumar Pathak, Additional

Prof. Munawwar Husain Kazmi, Dr. KS Kardam, Prof. Asim Ali Khan, Shri Pramod Kumar Pathak, Dr. Shashi Bala Singh and Dr. MA Waheed during the inaugural session of National Seminar on Intellectual Property Rights at the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad on August 30, 2018.

Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH highlighted the importance of IPRs for a scientific organization and appreciated the efforts of the CCRUM in obtaining patents. He urged to take lead at global level on the issues related to protection of traditional knowledge.

In his welcome address, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM informed that 15 patents have been granted to the CCRUM by the IPO and measures are being taken to further strengthen the intellectual property related activities.

Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER emphasized that there is a lot of potential in traditional systems of medicine and expressed her willingness to explore meaningful collaboration in the field of Unani Medicine.

Dr. KS Kardam, Senior Joint Controller of Patents & Designs, IPO, New Delhi urged the Council to evolve an IP strategy for inventors and make efforts for obtaining patents at global level.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER, Hyderabad signing MoU for collaboration in pharmaceutical research and development in Unani Medicine during the inaugural session of National Seminar on Intellectual Property Rights at the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad on August 30, 2018.

The inaugural session concluded with the vote of thanks proposed by Prof. Munawwar Husain Kazmi, Deputy Director In-Charge, CRIUM, Hyderabad.

Technical Session-I

The first technical session was chaired by Padma Shri Dr. MA Waheed, Chairman, Scientific Advisory Committee, CCRUM. The session began with an invited talk delivered by Dr. KS Kardam on '*Overview of IPR management and commercialization*'. He enlightened the audience with his deep knowledge on intellectual property rights and related issues.

The next lecture was delivered by Shri K Chitrarasu, Advisor (Law), NBA, Chennai on *'Provisions relating to applying for IPR in Biological Diversity Act, 2002 and rules thereunder'*. The third invited talk was delivered by Shri CM Gaind, formerly Chief (IPR), National Research Development Corporation (NRDC) on *'IP licensing: Myths and lessons'.* He shed light on how to bring an invention into production and marketing. The last lecture was delivered by Shri

Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH implanting a sapling in the premises of the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad on the sideline of National Seminar on Intellectual Property Rights on August 30, 2018.

VK Jain, Senior Manager, NRDC on *'Patenting system in India'.*

Technical Session-II

The second session was chaired by Prof. Mushtaq Ahmad, former Director, CRIUM, Hyderabad. The session began with an invited talk delivered by Shri SK Pangasa, Ex-Assistant Controller of Patents & Designs, IPO, New Delhi on *'Disclosure of invention for patent protection'.* He explained about advantages and disadvantages of patenting, documents required for filing patent application, advantages of provisional specification, etc.

The next lecture was delivered by Dr. Narendran Thiruthy, Technical Officer, NBA, Chennai on *'Biodiversity law – An interface with patent procedure'.* He said that documentation of traditional knowledge through Traditional Knowledge Digital Library (TKDL) and People's Biodiversity Registers (PBR) is a pioneer initiative of India to prevent misappropriation of the country's traditional medicinal knowledge.

The third invited talk was delivered by Shri K Chitrarasu, Advisor (Law), NBA, Chennai on *'NBA related issues in reference to patent'.* He said that the NBA is mandated to implement provisions of the BD Act in the country.

The fourth invited talk was delivered by Shri CM Gaind on *'Copyright registration in India"* while the last lecture was delivered by Shri SK Pangasa on *'Third party representation and post-grant opposition in the new perspective'.*

Wrap-up Session

The seminar concluded with wrap up session addressed by the Co-chairs, Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Dr. Pawan Kumar, Research Officer (Pathology) Scientist-IV. Prof. Mushtaq Ahmad congratulated the CCRUM for selecting a very contemporary theme for the seminar. •••

Hindi Workshop at RRIUM, Mumbai

The Council's Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai organized Hindi Workshop on August 29, 2018 at Sir JJ Group of Hospital. The objective of the workshop was to create awareness among the officials about official language policy and enhance their language skills.

The workshop was inaugurated by the chief guest Dr. Akash Khobragade, Department of Pharmacology, Sir JJ Group of Hospital in the presence of Shri Vinod Kumar Sharma, Central Hindi Training Scheme, Mumbai, Dr. Haseeb Alam, Research Officer Incharge and officers from RRIUM, Mumbai.

In his address, Shri Vinod Kumar Sharma stressed to prefer simple and easy-to-understand language in day-to-day working in order to promote Hindi.

Dr. Akash Khobragade highlighted the importance of selecting appropriate and jorgan-free language while talking to patients in order to avoid miscommunication leading to negative impact on patients' health.

Earlier in his welcome remarks, Dr. Haseeb Alam highlighted the objective of the workshop. The workshop concluded with vote of thanks proposed by Dr. Irfan Ahmad, Research Officer (Unani), RRIUM, Mumbai. •••

A view of Hindi Workshop organized at the Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai on August 29, 2018.

Shri Pramod Kumar Pathak Promoted as Additional Secretary

Shri Pramod Kumar Pathak, IFS (Kerala-1986), was promoted as Additional Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH with effect from July 01, 2018. Previously, he had been serving as Joint Secretary in the same ministry since May 18, 2017.

Shri Pramod Kumar Pathak
Additional Secretary, Ministry of AYUSH

Shri Pathak deals with the affairs of the Central Council for Research in Unani Medicine at the ministry level among other responsibilities. The Council is progressing well under his guidance.

Shri Pathak has extensive experience of working in various departments in different administrative capacities including Managing Director, Kerala Co-operative Milk Marketing Federation; Ministry of Home Affairs, Government of India; Deputy Director General (Administration), Doordarshan and Chief Vigilance Officer, Prasar Bharati (Akashvani and Doordarshan) under Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.

Participation in ISHU Health Mela

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow participated in ISHU Health Mela organized by the Institute for Social Harmony & Upliftment at Lucknow Expo Mart in Lucknow on July 26, 2018.

Dr. MA Khan, Deputy Director, Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow addressing the seminar on the occasion of ISHU Health Mela in Lucknow on July 26, 2018.

The event was inaugurated by Dr. Dharam Singh Saini, Hon'ble Minister for AYUSH, Government of Uttar Pradesh. The minister visited the Council's camp and was presented with some literature of Unani Medicine published by the CCRUM.

Former Chief Secretary, Uttar Pradesh Dr. Anis Ansari and Secretary AYUSH, Uttar Pradesh Shri Mukesh Kumar Meshram visited the fair.

Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow requested Secretary AYUSH to provide help in acquiring land for establishment of Unani Pharmacy and starting advanced diploma courses in Unani Medicine in Basha where the CRIUM is situated.

WHO Team Visits CCRUM's Literary Research Institute

A team of the World Health Organization (WHO) visited the CCRUM's Hakim Ajmal Khan Institute for Literary & Historical Research in Unani Medicine (HAKILHRUM) situated in Jamia Millia Islamia, New Delhi on September 29, 2018. The visit aimed at discussing the data reporting mechanism and examining the functioning of NAMASTE – Portal Cell at the institute.

The WHO team accompanied by delegates from the Ministry of AYUSH was welcomed by Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and officers from the CCRUM headquarters and HAKILHRUM. Prof. Asim Ali apprised them of the Council's activities, process of development of 'Standard Unani Medical Terminology' and 'National Unani Morbidity Codes' and functioning of NAMASTE – Portal Cell. The team visited the OPD of HAKILHRUM and assessed its functioning through interaction with the physicians on duty. They also visited NAMASTE – Portal Cell wherein they were given live demonstration of compilation and uploading of morbidity data on NAMASTE - Portal.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM along with his officers and WHO team at Hakim Ajmal Khan Institute for Literary & Historical Research in Unani Medicine in the first photo while a WHO team member is being examined by Dr. Rukshanda Taiyab of the institute on September 29, 2018 in the second photo.

The previous day, the team had a meeting with AYUSH stakeholders at the Ministry of AYUSH under the chairmanship of Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of AYSUH in the presence of Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH. The objective of the meeting was to discuss the course of action and modalities for inclusion of Ayurveda, Siddha and Unani (ASU) systems of medicine in International Classification of Diseases (ICD – 11). The ICD is the foundation for identifying health trends and statistics worldwide and provides a common language that allows health professionals to share health information across the globe.

The WHO team comprised Dr. Robert Jakob, Team Lead, Data Standards and Informatics, Shri Nenad Friedrich Ivan Kostanjsek, Technical Officer, Health Data Standards and Informatics, Dr. Kim Sung Chol, Regional Advisor, Essential Drugs and Other Medicines and Dr. Geetha Krishnan, Technical Officer, TCI – Unit, WHO.

Hindi Workshop at CRIUM, Lucknow

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow organized Hindi Workshop at its campus on July 6, 2018 to enhance knowledge and skills of the officials for using the official language in day-to-day personal and professional works.

Shri Avinash Trivedi, Member of Uttar Pradesh Legislative Assembly addressing Hindi Workshop at the Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow on July 6, 2018.

Speaking on the occasion, Shri Avinash Trivedi, MLA, BKT Constituency, Lucknow who graced the workshop as the chief guest applauded the services and sincere efforts of the CRIUM, Lucknow in the area of research and healthcare delivery. He announced that the construction of road connecting the institute with main road would be started very soon as the formalities of tendering had already been completed. Smt. Kusum Shukla, local Pradhan was also present as the special guest.

The workshop had two sessions that were addressed by Dr. JS Rai, Vice Principal, Kendriya Vidyalaya, Lucknow Cantonment and Dr. Mahendra Pandurang Darokar, Senior Principal Scientist, Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants, Lucknow. They emphasized that Hindi is an easy-to-use language provided we are committed towards it. They stressed that one should prefer simple and easy-to-understand vocabulary to difficult ones.

Earlier in his welcome remarks, Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow highlighted the objective of the workshop. The workshop concluded with vote of thanks proposed by Dr. Mohd. Nafees Khan, Research Officer (Unani), CRIUM, Lucknow. Dr. ZH Siddiquie, Research Officer (Unani) and Incharge of Rajbhasha Section at the institute anchored the workshop.

Once the workshop was over, Shri Avinash Trivedi inspected the IPD of the institute and distributed fruits among the patients.

•••

Medical Camp in Lucknow

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow organized a medical camp at Sunni Inter College, Victoria Ganj, Lucknow on September 4, 2018 to provide healthcare to the people in the vicinity.

The camp was inaugurated by Maulana Khalid Rashid Firangi Mahli and Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow in the presence of the manager and principal as well as staff of the college. Dr. Mahboob-us-Salam and Dr. Najmus Sehar of the Institute provided free consultation and treatment to over 200 hundred patients and advised them to visit CRIUM, Lucknow for follow-ups.

•••

Training on NAMASTE – Portal

The Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) organized a two-day training program for documentation of information on National AYUSH Morbidity and Standardized Terminologies Electronic Portal (NAMASTE – Portal) during 10–11 September 2018 in New Delhi. The program aimed at training of 74 nominated AYUSH professionals including those from the CCRUM with a view to make them master trainers in future.

Prof. Asim Ali Khan, Dr. DC Katoch, Vaidya Rajesh Kotecha, Prof. Vaidya KS Dhiman and others releasing a book during the inauguration of the training program for documentation of information on NAMASTE – Portal on September 10, 2018 in New Delhi.

Inaugurating the training program, Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH stressed to take forward the documentation of morbidity statistics across all healthcare setups in the country in a sustainable manner. He urged the trainees to take measures for capacity building of stakeholders in different states.

Speaking on the occasion, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM emphasized the importance of standardized Unani terminologies and their usage in NAMASTE – Portal. He informed the august gathering that the editors of relevant journals have been requested to make use of standard Unani medical terminologies and coding of diseases for authors mandatory.

The training was split in different general and system specific sessions. In the general training sessions, the trainees were sensitized with the aims and objectives and basic know-how of the portal. Whereas, hands-on training on the application and methods of data documentation specific to Ayurveda, Siddha and Unani systems of medicine was given in parallel sessions. The training session specific to Unani Medicine was conducted by Dr. Ghazala Javed, Dr. Bilal Ahmad and Dr. Neelam Quddusi. Dr. Javed Inam Siddiqui from the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad, Dr. Mohd Afsahul Kalam from the Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar, Dr. Mohd Tariq from the Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow and Dr. Ahmad Sayeed from the Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research in Unani Medicine, Delhi participated as Unani professionals in the two-day training program.

NAMASTE – Portal is an initiative of the Ministry of AYUSH, Government of India launched in October 2017 with the objective of recording the quantum of health services provided by AYUSH systems nation-wide and implementing electronic health record system effectively in all public / private / academic organizations in a progressive manner. ●●●

Participants of the training program for documentation of information on NAMASTE – Portal held on September 10-11, 2018 in New Delhi posing for a group photo.

Poshan Maah Observed at CCRUM

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) observed the month of September as Rashtriya Poshan Maah (National Nutrition Month) at all its research institutes / centres spread across the nation to reach every household with the message of nutrition – *'Sahi Poshan, Desh Roshan'.*

Researchers of the Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai conveying the message of nutrition – 'Sahi Poshan, Desh Roshan' to school children as a part of Rashtriya Poshan Maah observation.

Dr. Arjumand Shah, Research Officer (Unani), Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar addressing school children to educate them about nutrition, hygiene and sanitation.

The Poshan Maah was celebrated in tune with the nation-wide initiative of the Ministry of Women and Child Development and NITI Aayog under Rashtriya Poshan Abhiyan (National Nutrition Mission) which aimed to provide information regarding antenatal care, optimal breast feeding, complementary feeding, growth monitoring, hygiene and sanitation, etc. to every household. The initiative seeks to synergize all efforts by leveraging technology and intends to take nutrition awareness to the level of Jan Andolan or people's movement.

The CCRUM organized various programs and activities that were focused on creating awareness about and addressing antenatal care, optimal breastfeeding (early & exclusive), complementary feeding, anemia, growth monitoring, girls' education, diet, right age of marriage, hygiene and sanitation, and food fortification. The activities included organization of health camps, public lectures and talks on the management of malnutrition, related health problems and various deficiency disorders, importance and constituents of nutritious diets for different age groups, healthy lifestyle, appropriate lifestyle modification, child care, etc. Besides, display of posters and banners, exhibition and free distribution of literature based on malnutrition and related issues, recommendations of Unani system of medicine on nutrition were carried out. Health tonics, healthy food packs, and iron, calcium and protein supplements were also distributed among children and women.

AYUSH Natural World Expo

The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai participated in the AYUSH Natural World Expo – 2018 held at Dr. Shyama Prasad Mukherjee AC Stadium, Panaji, Goa during August 2–4, 2018.

Hon'ble Union Minister of State (IC) for AYUSH Shri Shripad Yesso Naik felicitating Dr. Haseeb Alam, Incharge, Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai with the certificate of participation in AYUSH Natural World Expo in Goa.

During the valedictory function, Hon'ble Union Minister of State (IC) for AYUSH Shri Shripad Yesso Naik felicitated all the participants with the certificate of participation and appreciated the CCRUM team for excellent exhibition.

The RRIUM, Mumbai showcased research activities, achievements and publications of the Council during the event. The institute also displayed various posters and charts highlighting various concepts of Unani system of medicine. With a view to create awareness about healthy living and intervention of Unani Medicine in curing diseases and promoting health, literature on Unani Medicine and success stories on treatment of some chronic and common diseases were distributed among the visitors.

Deworming Week at CRIUM, Lucknow

The Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow, inspired by the Government of India's initiative of observing National Deworming Day, organized Deworming Week during August 10–17, 2018.

Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow delivering a lecture on causes of worm manifestation on August 10, 2018.

Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge of the institute delivered a lecture on causes of worm manifestation particularly in children and informed about the diseases caused by worms and their impact on human body. He advised to maintain cleanliness and hygiene and use portable water to avoid worm manifestation. He exhorted the gathering to adopt Unani Medicine for treatment of all diseases including worms as the system has a number of single as well as compound drugs capable of bringing lifelong relief to the suffering masses. During the week, the institute conducted awareness program for deworming in its OPD and provided advice and treatment to the patients.

CCRUM Celebrates Hindi Pakhwada

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) celebrated Hindi Pakhwada at its headquarters and institutes in September 2018. The Pakhwada was celebrated to mark Hindi Diwas on 14th September and motivate the employees to take measures for promotion of Hindi language.

Shri Syed Saud Akhtar, Registrar, Jamia Hamdard addressing the prize distribution function of Hindi Pakhwada at the CCRUM headquarters in New Delhi on October 5, 2018.

The Pakhwada at the headquarters was inaugurated on September 13, 2018. In the inaugural function, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM stressed the need to increase use of Hindi in official as well as personal works and encouraged everyone to participate with zeal in the competitions and activities of Hindi Pakhwada. He urged that efforts for promotion of Hindi should not end with the conclusion of the Pakhwada but must continue throughout the year.

Addressing the function, Shri Ramanand Meena, Deputy Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India said that instead of just passing orders we should take pride in using Hindi which is our mother tongue.

Speaking on the occasion, Shri K C Bhatt, Assistant Director (Official Language), Ministry of AYUSH, Government of India said that we need to comply with the rules and provisions of the act for Hindi language and use it in day-to-day working.

Dr. Jamal Akhtar, Research Officer

A view of the audience during the inaugural function of Hindi Pakhwada at the CCRUM headquarters in New Delhi on September 13, 2018.

A view of the valedictory function of Hindi Pakhwada at the Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai on September 25, 2018.

Officials of Hakim Ajmal Khan Institute for Literary and Historical Research in Unani Medicine participating in a competition organized by the institute as a part of Hindi Pakhwada in New Delhi.

(Unani) and Incharge, Hindi Section, CCRUM presented progress report with regard to the targets assigned for the year. Shri RU Choudhury, Assistant Director (Administration) proposed vote of thanks.

The Pakhwada concluded on September 25, 2018 but the prize distribution function was held on October 5, 2018. Speaking on the occasion, Shri Syed Saud Akhtar, Registrar, Jamia Hamdard, New Delhi emphasized that greater promotion of Hindi language needs sincere efforts at each level. Prof. Asim Ali Khan appreciated efforts of the officials involved in successful organization of the Pakhwada.

During the function, officials with high score in section-wise review of the quantum of work carried out in Hindi at the headquarters were awarded. The winners of various competitions organized to promote the language were also awarded. The competitions included Hindi Dictation, Hindi Translation, Hindi Note Writing, Hindi Debate, Hindi Poetry, Hindi Vocabulary and Hindi Essay Writing.

Hindi Pakhwada was also celebrated in various institutes / centres of the Council spread in different parts of the country and various competitions and activities similar to the headquarters were organized. •••

Participation in Vision Maharashtra

The CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai participated in Vision Maharashtra held in Pune during August 3–5, 2018.

A researcher of the Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai educating school children about healthy living during Vision Maharashtra held in Pune during August 3–5, 2018.

The CCRUM's stall in the event highlighted its research activities, achievements and publications. Free literature in multiple languages on Unani Medicine and prevention and cure of various diseases was distributed among the visitors. The visitors were keen to know about Unani Medicine. With a view to create awareness about the importance of sanitation and hygiene, public lectures were also delivered by the officials of the institute during the event. •••

CCRUM in Aahar Chennai

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai participated in Aahar, an international food and hospitality fair organized by India Trade Promotion Organization during August 23–25, 2018 at Chennai Trade & Convention Centre in Chennai.

A view of the visitors at the CCRUM's stall at Aahar in Chennai during August 23–25, 2018.

The RRIUM, Chennai, a unit of the Central Council for Research in Unani Medicine, exhibited its activities and achievements through display materials, free distribution of brochures, live medicinal plants and raw drug samples used in Unani system of medicine. The CCRUM stall was managed by Dr. R Murugeswaran, Dr. Kabiruddin Ahmed, Dr. T Shahida Begum, Dr. Hafiz C Md. Aslam and auxiliary staff of RRIUM, Chennai.

WSPD Observed at CRIUM, Lucknow

The Council's Central Research Institute of Unani Medicine (CRIUM), Lucknow observed World Suicide Prevention Day (WSPD) at its campus on September 10, 2018 to raise awareness about how suicide can be prevented.

Dr. MA Khan delivering a lecture on the measures to prevent suicide cases on the occasion of World Suicide Prevention Day observed at the Central Research Institute of Unani Medicine, Lucknow on September 10, 2018.

Speaking on the occasion, Dr. MA Khan, Deputy Director Incharge, CRIUM, Lucknow described suicide as the most cowardly act of human being. He elaborated that suicide happens due to several reasons including failure in love or examination, disturbances in marital life, tension at work places, loss in business, suffering from chronic diseases or consuming excessive alcohol, but none of the reasons is unavoidable. He appealed the society, religious groups, NGOs and socio-political organizations to come together to prevent the menace of suicide that kills one person every 40 seconds thus disturbing millions of families around the world. He urged the people to spread the message in their areas and help the depressed people to come out of their personal dilemmas and live a normal life.

CCRUM Participates in Shining Maharashtra

The CCRUM through its Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Mumbai took part in the Shining Maharashtra, an exhibition themed on 'empowering, educating and promoting government schemes and policies' organized by Sansa Foundation, New Delhi at Solapur, Maharashtra during September 26–28, 2018.

At its stall in the AYUSH pavilion, the Council displayed publications and posters and propagated its research endeavors in Unani Medicine. Free literature was also distributed among the visitors to create awareness about health and hygiene. A large number of visitors and dignitaries from various places as well as local people visited the stall. Dr. Bilal Ahmad and Shri Abdul Rahim managed the Council's stall.

An official of the Regional Research Institute of Unani Medicine, Mumbai interacting with dignitaries at the CCRUM's pavilion in Shining Maharashtra at Solapur, Maharashtra during September 26–28, 2018.

Bangladeshi Academician Visits RRIUM, Kolkata

Hakim Md. Ruhul Amin, Lecturer, Tibbia Habibia Unani College and Hospital, Dhaka, Bangladesh visited the CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Kolkata on August 30, 2018.

Dr. KL Bandyopadhyay, Assistant Director Incharge and Dr. Younis Iftekhar Munshi, Research Officer (Unani) Scientist-IV, RRIUM, Kolkata apprised the guest of the research and development activities going on at the institute and priority areas of research at the CCRUM. He appreciated the efforts being made by the researchers at the Council and showed interest in knowing more about the status of Unani Medicine in India. Dr. KL Bandyopadhyay presented him some selected publications of the CCRUM.

Dr. KL Bandyopadhyay and Dr. Younis Iftekhar Munshi presenting CCRUM publications to the Bangladeshi academician at the Regional Research Institute of Unani Medicine, Kolkata on August 30, 2018.

DG, CCRUM Visits RRIUM, Srinagar

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM visited the Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Srinagar on July 26, 2018 to take stock of activities and review research progress at the institute.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM visiting the laboratory of the Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar on July 26, 2018.

During his first visit after taking over as Director General, CCRUM, Prof. Asim Ali Khan took a round of all the units of the institute to check cleanliness and overall ambiance.

He held meetings with the officials of the institute to take account of the progress of research activities and overall functioning of the institute. Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge, RRIUM, Srinagar made a PowerPoint presentation on the history and different phases of development, infrastructure, and activities and achievements of the institute. She informed that the institute had attained fame in the state for successful management of bronchial asthma, rheumatoid arthritis and vitiligo. The Director General conducted a review of MD programme in Unani Medicine recently initiated at the institute in affiliation with the University of Kashmir, Srinagar. He appreciated the state-of-the-art laboratory developed at the institute with financial support of the Department of Science and Technology, Government of India.

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and such reproduction is not used for commercial purposes.*

Editor-in-Chief
Asim Ali Khan

Executive Editor
Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board
Naheed Parveen
Ghazala Javed
Jamal Akhtar
T Mathiyazhagan
Shabnam Siddiqui

Editorial Office
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982
Fax : +91-11-28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
Website: http://ccrum.res.in

Printed at: India Offset Press, A-1, Industrial Area, Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110 064